आओ हम अच्छे बनें

WORKSHEET

१. (क) हम छोटे नहीं बन सकते क्योंकि हमारा देश बड़ा है। बहुत नैतिक और आर आम लोगों का देश है।

(ख) हम अच्छे बनकर अपने देश की शान बढ़ा सकते हैं।

(ग) "आओ हम अच्छे बनें" कविता के मूल कवि का नाम "डॉ. सिद्धया पुराणिक" है।

(घ) श्रमजीवियों का देश भारत देश को कहा गया है।

(ङ) हम अच्छे बनकर अपने देश की शान बढ़ा सकते हैं।

२. (क) हम कामचोर नहीं बन सकते क्योंकि हमारा देश श्रमजीवियों का है।

(ख) कवि के अनुसार भारत एक महान देश है। इसकी परंपरा भी महान है। यहाँ पाठशालाओं में नीति के पाठ पढ़ाए जाते हैं। इस कारण, पाठशाला का हर छात्र नैतिकता तथा विवेक सीखता है, जो जीवन-मूल्य का भाग है। इस कारण कोई भी नीतिहीन नहीं हो सकता।

Date ________
Page ________

३. भारत की गरीमा तथा उसकी महानता को बनाए रखना हर नागरिक का कर्तव्य है। भारत को महान बनने के लिए कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। आज स्वतंत्र भारत की जो सुविधाएँ हम अनुभव कर रहे हैं, वह आसानी से प्राप्त नहीं हुई है। इसलिए जो प्राप्त है, उसे बनाए रखना चाहिए। आपसी मत-भेद तथा जाति-पाति का विरोधाभास छोड़कर, एकता से रहना चाहिए।

४. अपना - पराया
शान - बेइज्जती
नैतिक - ~~नीतिहीन~~ अनैतिक

५. श्रमजीवी - मेरे पिता श्रमजीवी हैं।
विवेक - विवेक से सब कुछ हासिल किया जा सकता है।
नैतिकता - पाठशालाओं के छात्र नैतिकता सीखते हैं।